प्रकार की छूट यह सरकार नहीं दे सकती। कचरे का पानी जो बाहर निकलता जाता है। उसके अंदर यह समस्या आती है लेकिन अगर दो बार, दो चरण में उसका साफ कर दिया जाए तो उसमें 30 मिलिग्राम या 100 मिलिग्राम का ही बी०ओ०डी० रह जाता है जबकि पहले चरण में साफ करने के बाद 5,000 से 10,000 मिलिग्राम तक उसके अंदर बी०ओ०डी० रह जाता है।

महोदया, मैं आपका ध्यान इसलिए आकर्षित करना चाहता हूं कि विशेषज्ञों ने यह राय दी है कि इस प्रकार के प्रदूषण युक्त जल में केवल 30 से लेकर 100 मिलिग्राम तक का बी०ओ०डी० अलाउड है ह्यूमन कंजम्पशन के लिए, धरती के लिए, वायु के लिए, जल के लिए। यदि इन शराब के कारखानों को इस प्रकार से वर्दाश्त किया गया या उनको इजाजत दी गई तो फिर 5,000 से 10,000 मिलिग्राम प्रदूषण फैलेगा और उसके कारण कई जमीनें बंजर होंगी, कई नदियों के अंदर पानी खराब होगा, कई लोग बीमारी से ग्रस्त होंगे।

महोदया, मैं इस सरकार से यह मांग करना चाहता हूं कि इस प्रकार के कारखानों को कोई इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। और विशेषज्ञों की समिति की सलाह के आधार पर ही इसमें निर्णय किया जाना चाहिए राजनीतिज्ञों का। इस समय कई प्रकार का दबाव हमें देखने को मिलता है। राजनीतिज्ञ कई प्रकार के समझौतों के आधार पर इस प्रकार के प्रदूषण को संरक्षण देने की कोशिश करते हैं। मैं यह मांग करना चाहता हूं कि इस प्रकार का कोई संरक्षण प्रदूषण की रक्षा के लिए, प्रदूषण को फैलाने के लिए नहीं दिया जाना चाहिए। सरकार इस बात का जवाब दे कि क्या इस प्रकार की चर्चा जो उन्होंने कल की है, उसका क्या परिणाम निकलता है और विशेषज्ञों की सलाह के बगैर राजनीतिज्ञों की सलाह के आधार पर इस में निर्णय नहीं लेना चाहिए अन्यथा महोदया, एक परेशानी आएगी कि आज आपने शराब वालों को इजाजत दी है, कल कागज के कारखाने वाले आपके पास आएंगे। वे कहेंगे कि हमको भी सेकेंड फेज में जो ट्रीटमेंट करना चाहिए, उसकी इजाजत दीजिए। फिर आपके पास खाद तेल वाले आएंगे। फिर बाकी के लोग जिनके चांस कचरा निकलता है, वे आपके पास आएंगे और आप छूट देते चले जाएंगे। इससे तो प्रदूषण खराब होगा, इससे वातावरण खराब होगा, इससे समाज के अंदर फिर अन्य प्रकार की बीमारियां होंगी। इसलिए मैं मांग करता हूं सरकार से कि इन सारे मामलों में विशेषज्ञों की सलाह के आधार पर ही निर्णय लिया जाना चाहिए। धन्यवाद।

STATEMENT BY MINISTER Shortage of Diesel and Petrol in the Northern Region

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (CAPT. SATISH SHARMA): Madam, if I have your permission, I would like to share some information concerning the shortage of petrol. Madam, many hon. Members of this House have been agitated over this issue for the last few days.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Is it a statement?

CAPT. SATISH SHARMA: Yes, Madam.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, we have 15 minutes. If the House so agrees we can ask him to lay a copy of the statement on the Table of the House and we can defer the clarifications. Everybody was concerned about the shortage of petrol and this issue was raised in this House. I think it will be in the fitness of things if he lays it on the Table of the House.

CAPT. SATISH SHARMA: Madam, with your permission, I lay a copy of the statement on the Table of the House.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर: मैडम, बाद में डिस्ट्रिब्यूट करवा दीजिएगा।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Minister, I would like you to make available copies of the statement both in English and Hindi to the Secretariat so that they can be distributed to the Members. The Members will go through the statement. If they are satisfied with it they might not put any question. If they are not satisfied with the statement then they will seek clarifications later on. We are not allowing you to read the statement. So, I cannot say whether the Members are going to have any doubts or they are going to be happy about it.

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR (Uttar Pradesh): Madam, we would like

to know when the Minister will be available, whether today,, tomorrow or any time.

उपसभापति: मिनिस्टर साहब तो इधर हैं ही। ऐसा है कि वे हमारी सुविधा भी देखेंगे। ...(व्यवधान)...

श्री जगदीश प्रसाद माथुर: हां-हां, आपकी भी सुविधा देखेंगे।

उपसभापति: नहीं, नहीं, मेरी नहीं, हमारी, हाउस की। मेरी सुविधा तो मैं तो बैठी हुई हूं। मेरे लिए तो सब दिन सुविधा है, सब रात सुविधा है। मैं इधर बैठ सकती हूं। सुविधा से होती है कि सुबह We have Special Mentions. Then, tomorrow is the Private Members' day. Today we have the general discussion on the Railways. Still I have got seven Zero Hour mentions and six Special Mentions. Then there are associations and dissociations. How can I commit that he should be here since we are not sure when we want him?

तो मंत्री जी आप कार्यक्रम निश्चय कीजिए। पढ़ लेने दीजिए। आप बैठिए, आप इस हाउस के मैंबर हैं।

SHRI SARADA MOHANTY: Madam, the copies of the statement should be clear.

उपसभापति: हां। आपका मंत्रालय बहुत मॉडर्न तो फोटोकापी आएगी इसकी या साइक्लोस्टाइल्ड आएगी?

कैप्टन सतीश शर्मा: मैडम, अभी लोग वहां लगे हुए हैं। मैं जाकर देख रहा हूं कि हिंदी और अंग्रेजी दोनों के ट्रांसलेशन की कॉपियां मैंबरों को पहुंच जाएं।

उपसभापति: कल एक कॉपी आई थी साइक्लोस्टाइल की, उसकी टेक्नालाजी ज़रा बैकवर्ड थी, हम स्पीच पढ़ नहीं पाए थे।

कैप्टन सतीश शर्मा: मैडम मैं टैक्नालॉजी देखता हूं। मैं देखता हूं...

उपसभापति: आप ज़रा मार्डन लुकिंग बनिए।

You are a Member of this House and your colleague sitting next to you is also a Member of this House. Both of you should visit this House even if you don't have have anything to lay on the Table of the House.

RE: MEETING OF MINISTER OF ENVIRONMENT AND FORESTS WITH DISTILLERY OWNERS WITH REGARD TO SECOND PHASE POLLUTION CONTROL SYSTEM.—*(contd)*.

डा० संजय सिंह (उत्तर प्रदेश): महोदया, हमारे सम्मानित साथी ने इसी विषय पर चर्चा की है। जैसा की हम सबको पता है कि दुनियां भर में सबसे अधिक प्रदूषित देशों में हमारा अपना भी एक देश है। अभी जो चर्चा माननीय अग्रवाल जी ने की, अपने देश में जो करीब 121 शराब के कारखाने चल रहे हैं, उनमें दो फेस में ट्रीटमेंट होता है। बी०ओ०डी० — जो कि आक्सीजन को पानी में, कचरे में कम करती है। बॉयो केमिकल आक्सीजन डिमांड — बी०ओ०डी०। उसके दोनों चरणों में सफाई के लिए हर कारखाने में व्यवस्था है। लेकिन पता नहीं क्यों, ऐसा सुनने में आया है, प्रकाशन में भी आया है कि पर्यावरण मंत्रालय दूसरे फेस की सफाई की व्यवस्था खत्म करने जा रहा है। चूंकि पहले फेस में जो सफाई होती है उसमें मेथिन गैस निकलती है तथा कारखाना मालिकों को उससे फायदा होता है। तो उसके लिए तो उनको कोई फिक्र नहीं होती। लेकिन दूसरे फेस में जो सफाई होती है उसमें ज्यादा बिजली लगती है तथा और भी कुछ परेशानियां होती हैं, जिसकी वजह से वह उसको समाप्त करना चाहते हैं। हमें डर है कि ऐसा कोई फैसला न हो जिससे कि इस सफाई की व्यवस्था को रोकने के बाद प्रदूषण बहुत ही फैले। मैं चाहता हूं कि सरकार या पर्यावरण मंत्रालय इसके बारे में विचार करे और चूंकि सारे के सारे कारखानों में व्यवस्था स्वयं अपने आप है, उसे वैसा करने दिया जाए जो कि हमारे समाज में, हमारे देश के लिए आवश्यक है।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now we have a matter which will take a long time.

SHRI JOHN F. FERNANDES: Madam, I also have something ...*(Interruptions)*...

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI: Madam, Tamil Nadu is important.

SHRI JOHN F. FERNANDES: Madam, I will take only one minute.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let him finish. I have got one, two, three, four and five names. All the five Members cannot finish in five minutes.